



## आईआईटी भुवनेश्वर के शोध को प्रतिष्ठित CERN कूरियर मैगज़ीन में जगह मिली

**भुवनेश्वर, 11 जून 2026:** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (IIT) भुवनेश्वर के स्कूल ऑफ़ बेसिक साइंसेज के वैज्ञानिकों की रिसर्च को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर पत्रिका 'CERN कूरियर' के खास सेक्शन 'एनर्जी फ्रंटियर्स' के ताज़ा अंक में जगह मिली है। "A Sharper Probe of a Rare Bs Decay" (एक दुर्लभ Bs क्षय की बारीकी से जांच) नाम का यह लेख CERN के लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) में हुए कॉम्पैक्ट म्यूऑन सोलनॉइड (CMS) एक्सपेरिमेंट से मिली अहम जानकारियों को उजागर करता है। LHC दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे एडवांस्ड वैज्ञानिक रिसर्च सुविधाओं में से एक है।

यह लेख CERN में CMS सहयोग के तहत की गई एक स्टडी पर आधारित है, जिसमें IIT भुवनेश्वर के रिसर्चर्स डॉ. सीमा बहिनीपति, श्री ऋषभ रतूड़ी और डॉ. समरेंद्र नायक ने अहम योगदान दिया। यह स्टडी सब-एटॉमिक पार्टिकल्स (परमाणु के भीतर के कणों) के बहुत ही दुर्लभ व्यवहार की जांच करती है, जिससे वैज्ञानिकों को यह बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है कि ब्रह्मांड के बुनियादी घटक एक-दूसरे के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं।

नतीजों से एक्सपेरिमेंटल ऑब्ज़र्वेशन और मौजूदा थ्योरेटिकल अनुमानों के बीच कुछ अंतर का पता चला। हालांकि और स्टडी की ज़रूरत है, लेकिन ऐसे ऑब्ज़र्वेशन अहम हैं क्योंकि इनसे नई वैज्ञानिक घटनाओं के बारे में सुराग मिल सकते हैं, जिन्हें पार्टिकल फ़िज़िक्स की मौजूदा थ्योरी से अभी पूरी तरह नहीं समझाया जा सका है।

आईआईटी भुवनेश्वर, एक्सपेरिमेंटल पार्टिकल फ़िज़िक्स में अपनी रिसर्च के ज़रिए CMS कोलैबोरेशन में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। संस्थान के रिसर्चर, लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर से मिले डेटा का विश्लेषण करके प्रकृति के बुनियादी नियमों को समझने की अंतरराष्ट्रीय कोशिशों में योगदान देते हैं। CERN कूरियर में छपी रिपोर्ट, इस बड़े ग्लोबल कोलैबोरेशन के हिस्से के तौर पर आईआईटी भुवनेश्वर की टीम के अहम वैज्ञानिक योगदान को मान्यता देती है।

CERN कूरियर में इंस्टीट्यूट की रिसर्च को शामिल किया जाना आईआईटी भुवनेश्वर के लिए गर्व की बात है। यह मैगज़ीन पार्टिकल फ़िज़िक्स और एक्सेलेरेटर साइंस के क्षेत्र में बहुत सम्माननीय है और इसे दुनिया भर के रिसर्चर, शिक्षक, नीति-निर्माता और साइंस कम्युनिकेटर पढ़ते हैं। यह फ़ीचर इंस्टीट्यूट में हो रही रिसर्च को मिल रही बढ़ती अंतरराष्ट्रीय पहचान को उजागर करता है।

CMS एक्सपेरिमेंट CERN के मुख्य एक्सपेरिमेंट में से एक है और यह दुनिया भर के हजारों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, टेक्नीशियनों और छात्रों को एक साथ लाता है। यह सहयोग हिग्स बोसोन की खोज में अपनी भूमिका के लिए बहुत मशहूर है और ब्रह्मांड के कुछ सबसे बड़े रहस्यों—जैसे कि पदार्थ, ऊर्जा, अंतरिक्ष और समय की प्रकृति—की खोज जारी रखे हुए है।

इस पहचान पर खुशी ज़ाहिर करते हुए, शोधकर्ताओं ने कहा कि यह बात आईआईटी भुवनेश्वर के शोध योगदान की बढ़ती वैश्विक पहचान को दर्शाती है और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग में भारतीय संस्थानों की अहम भूमिका को उजागर करती है।

यह उपलब्धि वैज्ञानिक शोध के एक प्रमुख केंद्र के तौर पर IIT भुवनेश्वर की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है और विश्व-स्तरीय शोध व अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से ज्ञान को आगे बढ़ाने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

### **CMS सहयोग के बारे में**

कॉम्पैक्ट म्यूऑन सोलेनॉइड (CMS) दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक सहयोगों में से एक है और CERN के लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर के प्रमुख प्रयोगों में से एक है। यह दुनिया भर के संस्थानों से हजारों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और छात्रों को एक साथ लाता है ताकि वे ब्रह्मांड के बुनियादी घटकों का अध्ययन कर सकें और आधुनिक विज्ञान के कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवालों के जवाब खोज सकें।

**Link of the Paper:** <https://cerncourier.com/wp-content/uploads/2026/06/CERNCourier2026MayJun-digitaledition.pdf>

-----